शहरी समाचार
नई सोच नई पहल
नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन
अपैल, 2022 | वर्ष 02 | अंक 04 | नगरीय बुलेटिन | पृष्ठ :12 | मूल्यः निःशुल्क

86,772
PMAY(U) आवासों का निर्माण पूर्ण

30,025
पीएम स्वनिधि ऋण वितरित

56,730
मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) जॉब कार्ड वितरित

16,804
स्वयं सहायता समूहों (SHGs) का गठन

डीएमए के नए निदेशक श्री राजेश कुमार पाठक ने संभाला पदभार

होली के पावन अवसर पर सोनचिरैया ब्रांड के तहत निर्मित उत्पादों से गुलजार हुआ बाजार

महिला शक्ति को सम्मान, नगर निकायों में अनेकों आयोजन

अनुक्रमणिका

डीएमए के नए निदेशक
श्री राजेश कुमार पाठक ने संभाला पदभार

महिला शक्ति को सम्मान

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर
पर महिला सम्मान समारोह का आयोजन

होली के पावन अवसर पर
सोनचिरैया ब्रांड के तहत
निर्मित उत्पादों से गुलजार हुआ बाजार

लाभार्थियों के संग,
खुशियों के रंग

स्वयं सहायता समूह की
उद्यमशीलता एवं कार्यक्षमता
को बढ़ावा देने की दिशा में पहल

पीएमएवाई (यू) से लाभार्थियों को मिला
पक्का मकान, बढ़ा आत्मसम्मान

सोच बदलकर दिखाया जज्बा,
जीवन में खुशियों ने दी दस्तक

कूड़ा-करकट को हटाकर हरियाली
में किया गया तब्दील

खनन, औद्योगिक और सांस्कृतिक केंद्र
के लिए प्रसिद्ध : रामगढ़ नगर परिषद

संदेश

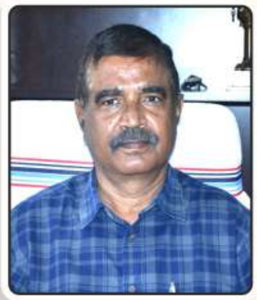

राज्य के सर्वांगीण विकास में सरकार के साथ-साथ आम जनता की सहभागिता होनी जरूरी है। नगरीय प्रशासन निदेशालय, झारखंड सरकार के द्वारा राज्यस्तर पर शहरी गरीबों के विकास के लिए विभिन्न परियोजनाओं एवं कल्याणकारी योजनाओं का तीव्र गति से कार्यान्वयन किया जा रहा है। इन सभी महत्वपूर्ण गतिविधियों, उपलब्धियों एवं सामाजिक सरोकार आदि के प्रकार्यों से आपको अवगत कराने के उद्देश्य से डीएमए की मासिक पत्रिका ''शहरी समाचार'' का यह अंक (अप्रैल, 2022) प्रकाशित की जा रही है।

राज्य के युवा, निर्धन तथा मजदूर वर्ग के लोग हतोत्साहित न हों, इस हेतु राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। राज्यवासियों ने संक्रमण काल में धैर्य का परिचय दिया है। यहां के लोग इस हेतु धन्यवाद के पात्र हैं। सभी लोगों के सहयोग से संक्रमण काल में राज्य को विकट परिस्थिति से बचाया गया है। आने वाली चुनौतियों के लिए भी हमसबों को तैयार रहने की आवश्यकता है।

विकास कार्यों के कार्यान्वयन में तेजी के साथ-साथ हर पहलुओं पर पैनी नजर रखने की आवश्यकता है। हम सभी लोग एकजुट होकर ही विकास कार्यों को मूर्त रूप दे सकेंगे। समस्याओं का समाधान आपसी समन्वय और समझदारी दिखाकर करना होगा, तभी चीजें सुधरेंगी। इसी अवधारणा के साथ डीएमए निरंतर अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ रहा है।

निदेशालय के शहरी समाचार का यह नवीन अंक निदेशालय के मासिक पत्रिका की श्रृंखला के दूसरे वर्ष का चतुर्थ अंक है। ''शहरी समाचार'' के अप्रैल, 2022 के अंक में हमने राज्य के सभी स्थानीय निकायों की विभिन्न गतिविधियों को संकलित करने का प्रयास किया है।

वसंत ऋतु की खिलती बहार एवं होली पर्व के रंग-बिरंगे फव्वारों के परिदृश्य से हम सबों में एक नई चेतना और नई उमंग का संचार हुआ है। आज राज्य समावेशी विकास की अवसंरचना के साथ-साथ जीवन-स्तर को उच्च गुणवत्ता से परिलक्षित करने की ओर तीव्र गति से अग्रसर है।

इसी संकल्पना और अवधारणा के साथ मैं अपनी सभी सहयोगी संस्थाओं को अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करने का अपील करता हूँ। साथ ही आशा करता हूँ कि शहरी समाचार का यह अंक हम सभी के लिए प्रेरणादायी व ज्ञानवर्द्धक साबित होगा ।

मैं केंद्र सरकार व राज्य सरकार को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

श्री राजेश कुमार पाठक (भा.प्र.से.)
निदेशक,
नगरीय प्रशासन निदेशालय।

पदभार ग्रहण समारोह

डीएमए के नए निदेशक श्री राजेश कुमार पाठक ने संभाला पदभार

योजनाओं का तीव्र क्रियान्वयन एवं शहरी गरीब महिलाओं का उत्थान पहली प्राथमिकता

डीएमए के नए निदेशक महोदय श्री राजेश कुमार पाठक के सम्मान में दिनांक 04.03.2022 को नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड रांची के कार्यालय परिसर में पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस सुअवसर पर डीएमए के सहायक निदेशक श्री योगेंद्र प्रसाद एवं श्री शैलेश प्रियदर्शी व निदेशालय के अधिकारियों ने नए निदेशक महोदय को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान निदेशक महोदय ने सभी अधिकारियों व कर्मियों से परिचय प्राप्त करते हुए उनके आत्मिक विचारों से भी रूबरू होने का प्रयास किया।

निदेशक महोदय को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते डीएमए के सहायक निदेशक श्री योगेन्द्र प्रसाद।

"सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को ससमय पात्र लाभुकों तक पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए हम सभी को एकजुट व दृढ़संकल्प के साथ आपसी समन्वय बनाकर कार्य करना होगा। योजनाओं के सफल संचालन व बेहतर कार्यान्वयन के लिए सभी नगर निकायों का सहयोग अपेक्षित है। ताकि लोग सामाजिक आर्थिक एवं व्यक्तिगत रूप से सशक्त व समृद्ध बन सकें। यह मेरा परम सौभाग्य है कि मुझे शहरी गरीबों के लिए कुछ बेहतर करने का विकल्प मिला है।

-श्री राजेश कुमार पाठक
(भा० प्र० से०), निदेशक, डीएमए

विभिन्न योजनाओं से हुए रूबरू

कार्यक्रम के दौरान नए निदेशक महोदय को PMAY(U) कोषांग के राज्यस्तरीय टीम लीडर श्री राजन कुमार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-(शहरी) तथा श्री विनोद ठाकुर, SMM द्वारा डे-एनयूएलम से संबन्धित विभिन्न विषयों पर अद्यतन व विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके उपरांत वे सभी संचालित योजनाओं से रूबरू होकर आशान्वित दिखें और बेहतर क्रियान्वयन को लेकर उचित दिशा-निर्देश भी दिए।
निदेशालय के अधिकारियों व कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में बेहतर प्रदर्शन किया गया है। योजनाओं के सफल संचालन में सभी क्षेत्रों का पूरा ध्यान रखा गया है। मेरी कोशिश रहेगी कि इन कामों को बेहतर तरीके से और आगे तक ले जाया जाए। संस्थान और समुदाय के विकास के लिए अनुकूल वातावरण को और बढ़ाया जाएगा। कोरोना महामारी में कई तरह की परेशानी आई है लेकिन संस्थान ने इस कठिन दौर में भी अपनी गति को कम नहीं होने दिया। विकास कार्यों को बढ़ावा देने के साथ-साथ हमारी प्राथमिकता शहरी क्षेत्र की गरीबी को कम करना है।
कार्यक्रम के अंतिम में निदेशक महोदय ने कहा कि आज मेरा पहला दिन है। मेरा प्रयास होगा कि पूरी टीम के सहयोग से योजनाओं व विभाग द्वारा प्रदत विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन व निष्पादन हो। डीएमए राज्य भर में सरकार के योजनाओं के सफल कार्यान्वन में अग्रणी संस्थानों में से एक है, जो कल्याणकारी योजनाओं के सफल संचालन अपने कार्यों की गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है।

कार्यक्रम में निदेशक महोदय के संबोंधन का लाभ उठाते अधिकारीगण।

SHG सदस्यों के प्रशिक्षण पर दिया जाएगा जोर

निदेशक महोदय श्री राजेश कुमार पाठक ने संबोधित करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण को लेकर सरकार गंभीर है। इसके लिए विभिन्न स्वयं सहायता समूहों का बड़े स्तर पर गठन किया गया है। उन्हें योजनाओं का लाभ लेने के लिए व अन्य लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए क्रमबद्ध व सुचारु रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाना अतिआवश्यक है। ताकि, महिलाएं योजनाओं का लाभ लेकर न केवल अपने पैरों पर खड़ी हों, बल्कि परिवार को भी आर्थिक रूप से मजबूती देने में अहम योगदान दें।

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

महिला शक्ति को सम्मान

देवघर नगर निगम में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक, दहेज कुप्रथा के विरुद्ध विशेष शपथ ग्रहण एवं महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए समाज के अंतिम व्यक्ति को अपनी सोच व नजरिया बदलने की आवश्यकता पर बल दिया गया। नगर निगम कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बालिकाओं ने सामाजिक कुरतिओं का जीवंत दर्शन कराया। जिसने लोगों के मन को झकझोर दिया। शिक्षित समाज के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका को सलाम करते हुए जिला अंतर्गत शिक्षा, खेल व सामाजिक क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाली 64 बालिकाओं व महिलाओं को उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजंत्री एवं नगर आयुक्त श्री शैलेंद्र कुमार लाल ने सम्मानित किया।

मानगो नगर निगम कार्यालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यपालक पदाधिकारी श्री दीपक सहाय ने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। सरकार की ओर से महिलाओं के स्वावलंबन, स्वरोजगार से जोड़ने एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएँ चलाई जा रही है। निगम की महिला सफाई कर्मी श्रीमती रेणू देवी ने केक काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सेनेटरी वेस्ट का डिस्पोज़ल सही तरीके से होना जरूरी: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर **जुगसलाई नगर परिषद** द्वारा सेनेटरी व उसके कचरे का निष्पादन व प्रबंधन को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जुगसलाई नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी श्री जेपी यादव ने बताया कि माहवारी के दौरान महिलाओं को साफ.सफाई का ख़्याल नहीं रखने पर बहुत तरह की बीमारियों से जूझना पड़ता है। खासकर सेनेटरी नैपकिन में प्लास्टिक, कॉटन आदि का इस्तेमाल किया जाता है। जो कि बहुत हद तक नॉन कंपोस्टेबल होते हैं एवं यहाँ.वहाँ फेंके हुए दिखते है। इन सेनेटरी अपशिष्ट का निपटारा करने के लिए उसका सही तरीके से संग्रहण बहुत जरूरी है।

08 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राज्यभर के नगर निकायों में विविध आयोजन हुए। इस दौरान महिलाओं को अलंकृत किया गया। उनके अच्छे कार्यों की सराहना की गई। इससे महिलाओं का हौसला बढ़ा। साथ ही योजना अंतर्गत महिला सशक्तिकरण के अभियान को गति भी मिली। निकायों में कार्यक्रम के माध्यम से महिला शक्ति पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं को अपने हक और अधिकार के लिए हमेशा आवाज बुलंद रखने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में अलग-अलग क्षेत्रों से अग्रणी महिलाओं को सम्मानित भी किया गया।

महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते निकाय के अधिकारी (देवघर)।

नगर निकायों में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

महिलाओं को किया गया सम्मानित

दिनांक 08 .03 .2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर **खूंटी नगर पंचायत** क्षेत्र अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन कर महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान स्वयं सहायता समूह से जुडी महिलाओं को डे एनयूएलएम योजना के तहत क्रेडिट लिंकेज का भी लाभ दिया गया।

प्रदर्शनी व विक्रय शिविर का आयोजन

मेदिनीनगर नगर निगम के कार्यालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डे-एनयूएलएम योजना अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की दीदियों के द्वारा खाद्य प्रसंस्करण से निर्मित खाद्य सामग्रियों का प्रदर्शनी व विक्रय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में एसएचजी की दीदियों द्वारा अलग-अलग स्टॉल लगाकर विभिन्न खाद्य सामग्रियों जैसे पापड़, दालमोट, मिक्चर, चूड़ा बादाम, तिलौरी, स्वादिष्ट आचार, गेठिया (नमकीन), चरौरी, नमकीन सेव, शुद्ध देसी घी को विक्रय हेतु शामिल किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्राहकों ने आयोजित शिविर में भाग लिया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर महिला सम्मान समारोह का आयोजन

नगरीय प्रशासन निदेशालय के कार्यालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीएमए के निदेशक श्री राजेश कुमार पाठक के द्वारा स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओ को सोनचिरैया ब्रांड के तहत गुजिया के उत्पादन एवं बिक्री संबंधी कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी दीदियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड में अब शहरी क्षेत्र के महिलाओं का हुनर बाजारों तक पहुंच रहा है। महिलाओं की हुनर की पहचान कर सरकार ने अब इनकी ब्रांडिंग करने की तैयारी कर दी है। आने वाले त्योहारी मौसम में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा बनाया गया गुजिया राज्य के विभिन्न बाजारों में उपलब्ध होगा। DAY-NULM के तहत महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने तथा सामाजिक उत्थान और स्वावलंबी बनाने में इस तरह की पहल कारगर साबित हो रही है।

निदेशालय के कार्यालय परिसर में आयोजित महिल सम्मान समारोह में डीएमए के निदेशक महोदय।

आज की महिलाएं अपने कौशल व ज्ञान से जीवन के हर क्षेत्र में जीत का परचम लहरा रहीं हैं। विषम भौगोलिक परिस्थितियों में भी कार्यों को बेहतर तरीके से अंजाम दे रहीं हैं। ये महिलाएं अपने कौशल, आत्मविश्वास और शौर्य के आधार पर सभी चुनौतियों को संभालने में सक्षम है।

राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों में पदासीन ये महिलाएं डीएमए द्वारा संचालित योजनाओं के कार्यान्वयन में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। महिला सशक्तिकरण, भौतिक एवं आध्यात्मिक, शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक सभी स्तर पर महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा कर उन्हें सशक्त बनाना है। डीएमए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से इसी दिशा में प्रयासरत है। इसी के तहत राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सशक्तिकरण के संकल्पों से भर रहीं सपनों की उड़ान

लाइट हाउस प्रोजेक्ट (LHP), रांची साइट का निरीक्षण: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डीएमए के निदेशक श्री राजेश कुमार पाठक ने निदेशालय में कार्यरत सभी महिला अधिकारियों एवं PMAY(U) कोषांग के अधिकारियों के साथ लाइट हाउस प्रोजेक्ट (LHP), रांची साइट का दौरा किया। इस क्रम में साइट पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में भाग लेकर उपस्थित महिलाकर्मियों को शुभकामनाएं दी एवं उन्हें उपहार भी भेंट किया गया। इस दौरान निदेशक महोदय द्वारा लाइट हाउस प्रोजेक्ट के निर्माणाधीन कार्यों का जायजा भी लिया गया। इसके उपरांत प्रोजेक्ट से जुडें अधिकारियों को योजना के तीव्र कार्यान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए। निदेशक महोदय ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस योजना के तहत सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से शहरी आवासविहीन महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि एक ऐसे परिवेश का निर्माण किया जा सके जिसमें महिलाएँ अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग कर सकें।

लाइट हाउस प्रोजेक्ट स्थल पर आयोजित कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

होली के अवसर पर स्वयं सहायता समूह द्वारा लगाये गये स्टॉल। (जमशेदपुर अक्षेस)

- खाद्य, पूजन एवं परिधान क्षेत्र में दर्ज कराई धमाकेदार उपस्थिति
- स्वरोजगार से जुड़कर झारखण्ड की दीदियाँ आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ा रहीं हैं कदम

होली के पावन अवसर पर सोनचिरैया ब्रांड के तहत निर्मित उत्पादों से गुलजार हुआ बाजार

राज्य के शहरी क्षेत्र के महिलाओं का हुनर अब बाजारों में पहुंच रहा है। डे एनयूएलएम योजना के तहत महिलाओ को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने तथा सामाजिक उत्थान और स्वावलंबी बनाने में इस तरह की पहल कारगर साबित हो रही है। इसी कड़ी में पूर्व की भांति इस बार भी होली पर्व के अवसर पर एक बार फिर त्यौहारों की खुशियों में मिठास बढ़ाने और पारंपरिक बनाने हेतु डीएमए (DMA) के तत्वावधान में डे-एनयूएलएम (DAY-NULM) योजना के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए सोनचिरैया ब्रांड के विभिन्न उत्पाद बाजार में बिक्री के लिए उतारा गया।

सोनचिरैया ब्रांड के तहत गुजिया, ठेकुआ, निमकी, लौंगलता बनाकर बजार में उतारा गया' जिसका बाजार में काफी बेहतर प्रतिक्रिया देखने को मिला। विदित हो की गुजिया को सोनचिरैया ब्रांड के तहत झारखण्ड में पहले उत्पाद के रूप में लांच किया गया था। शुद्धता व पवित्रता से तैयार एवं आकर्षक पैकेजिंग के कारण 'सोनचिरैया गुजिया' को राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर लोगों ने काफी पसंद किया और सराहा।

इस कार्य में स्वयं सहायता समूह की 7 दीदीयों को लगाया गया। शुद्ध घी, ऑर्गेनिक खजूर, गुड़, इलायची, ड्राइ फ्रुट एवं ताजे खोवे से निर्मित गुजिया/पेड़किया को लोगों ने इस बार भी खूब पसंद किया। साथ ही इस तरह की पहल से महिलाओं के आर्थिक संवर्धन पर ज़ोर दिया जा रहा है।

काफी किफ़ायती दामों पर उपलब्ध : होली के अवसर पर बाजार में उतारे उत्पादों में मावा गुजिया 500 ग्राम के पैकेट को तीन सौ रुपये तथा निमकी 1 किलोग्राम के पैकेट को 160 रूपये में उतारा गया। गुजिया को तीन प्रकारों में किफ़ायती दामों पर बाजार में उतारा गया। इसकी सबसे खास बात यह है कि गुजिया के सभी सामग्री एवं आकर्षक पैकेजिंग समूह द्वारा खुद से किए गए हैं' इससे जहां लोगों को स्वादिष्टता का लुफ़्त उठाने का मौका मिला, वहीं समूह से जुड़ी महिलाओं को रोजगार भी मिल रहा है।

होली परिधान की भी रही धूम

सोनचिरैया ब्रांड के जरिए मधुपुर नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूहों का हुनर बाजारों तक पहुँचाने के लिए पुरुषों के लिए परंपरागत डिजाइन में किफ़ायती दाम मात्र 500/- रुपये में कुर्ता-पायजामा का सेट तथा ट्रेंडिंग व मॉडर्न डिजाइन में लड़कियों के लिए भी मात्र 500/- रुपये में कुर्ती, लेगिन्स और स्टॉल तैयार कर बिक्री के लिए बाजार में उतारा गया। इन कपड़ों को सफ़ेद रंग से लेकर अलग-अलग चटकदार रंगों में उपलब्ध कराया गया। जिसका राज्य भर में बेहतर प्रतिक्रिय देखने को मिला।

एसएचजी द्वारा निर्मित उत्पादों को नगर निकायों के सहयोग से मिली अनूठी पहचान

डे-एनयूएलएम योजना के तहत होली के शुभ अवसर पर राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों जैसे- जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र, मधुपुर नगर परिषद व मेदिनीनगर नगर निगम में त्यौहार को मिठास और पारंपरिक बनाने हेतु स्वयं सहायता समूह की दीदियों के द्वारा सोनचिरैया ब्रांड के तहत विभिन्न प्रकार के उत्पादों की धूम रहीं। इस दौरान मुख्यतः मिठाई, निमकी, रंग, अबीर, पिचकारी, कुर्ता-पायजामा जैसे अन्य उत्पादों की बड़े पैमाने पर बिक्री हुई। इस क्रम में राज्यभर में सोनचिरैया ब्रांड के तहत अलग-अलग माध्यमों से स्वयं सहायता समूह के महिलाओं के द्वारा निर्मित उत्पादों का जोरदार तरीके से प्रचार-प्रसार किया गया, जिसके फलस्वरूप राज्य के अलग-अलग शहरों से इन उत्पादों की डिलीवरी हेतु ऑनलाइन आर्डर भी प्राप्त हुई। विदित हो कि इस दौरान विभिन्न नगर निकायों के चौक-चौराहों व मेन मार्केट में निर्मित उत्पादों के बिक्री व प्रचार-प्रसार कराने के उद्देश्य से स्टॉल लगवा कर बड़े पैमाने पर बिक्री की गई।

धूपबत्ती के सुगंधों से महका राजधानी का बाजार

सोनचिरैया ब्रांड के तहत आकृति स्वयं सहायता समूह के द्वारा होली के पावन अवसर पर धूपबत्ती बनाकर बिक्री हेतु बाजार में उतारा गया। आकृति स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा इस धूपबत्ती को तीन विभिन्न प्रकार के सुगंधों (अनन्नास, गुलाब, चन्दन) में बनाया गया है। सुगंधित होने के साथ-साथ इसकी पवित्रता और शुद्धता भी लोगों के बीच पहुंचेगी। प्रत्येक का मूल्य 25/- रुपए प्रति बॉक्स है। इसमें समूह की 10 महिलाएं मिल कर कार्य कर रहीं हैं। इसकी सबसे खास बात यह है कि धूपबती के सभी सामग्री एवं आकर्षक पैकेजिंग समूह द्वारा खुद से बनाए गए हैं।

देवघर नगर निगम

जेएनएसी

डीएमए की अनूठी पहल

PMAY(U) लाभुकों संग खुशियों की होली

रांची नगर निगम

देवघर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत निर्मित काली रेखा मातृ कॉलोनी कुष्ठ आश्रम में होली के पावन अवसर पर होली मिलन सह- लाभुक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लाभुकों ने बढ़-चढ़ कर जोश-खरोश के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान निकाय के अधिकारियों द्वारा लाभुकों से रूबरू होकर मानवीय पक्षों को जानने व समझने का भी प्रयास किया गया। सभी लाभुकों को इस अवसर पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस तरह के आत्मीय सम्मान पाकर सभी लोग भाव-विभोर हो गए। वर्तमान में इस परिसर में कुल 65 परिवार ख़ुशी-ख़ुशी जीवन व्यतीत कर रहें हैं। कार्यक्रम में सीएमएम एवं सीएलटीसी, देवघर नगर निगम के कर्मी उपस्थित थे।

जेएनएसी क्षेत्र अंतर्गत भी योजना के तहत निर्मित नवजीवन कुष्ठ आश्रम आवासीय परियोजना के लाभुकों के लिए लाभार्थियों के संग,खुशियों के रंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लाभुकों ने उत्साह के साथ एक-दूसरे को रंग-अबीर लगाकर अपनी ख़ुशी का इज़हार किया। साथ ही निर्मित आवास में उपलब्ध आधारभूत सुविधाएं जैसे बिजली, पानी सहित अन्य मुद्दों पर निकाय के अधिकारियों द्वारा विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस परिसर में सभी परिवार ख़ुशी-ख़ुशी जीवन व्यतीत कर रहें हैं। इस कार्यक्रम में जेएनएसी के कर्मी उपस्थित थे।

रांची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत निर्मित बिरसा मुंडा स्मृति पार्क किफ़ायती आवास परियोजना के लाभुकों के लिए होली के शुभ अवसर पर लाभार्थियों के संग, खुशियों के रंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लाभुकों ने एक-दूसरे के साथ बड़े आत्मीयता के साथ रंग-बिरंगे गुलाल एवं अबीर लगाकर अपनी खुशी जाहिर की। डीएमए की इस पहल से लाभुक प्रेम और भाईचारा बढ़ा रहे हैं। इस परिसर में परिवार होली को उल्लास और शांतिपूर्ण तरीके से मनाकर इस पल को आनंद और खुशियों से भर रहें हैं। इस अवसर पर सभी लोग उत्साह के रंग में झूमते नजर आएं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत होली के शुभ अवसर पर दिनांक 15.03.2022 को विभिन्न नगर निकायों में **लाभार्थियों के संग, खुशियों के रंग** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी लाभुक उत्साह के रंग में झूमते नजर आएं। लाभुकों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। नगर निकायों के इस अनोखी पहल से लाभुक सम्मान पाकर भावुक हो गये। इस तरह की आत्मीयता एवं खुशी पाकर सभी ने नगर निकाय के अधिकारियों व कर्मियों के प्रति आभार प्रकट किया।

जमकर एक-दूसरे पर उड़ाएं गुलाल-अबीर

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत दिनांक 16.03.2022 को कपाली नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत BLC लाभुकों के लिए होली के शुभ अवसर पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी लाभुकों ने एक-दूसरे को गुलाल-अबीर लगाकर होली की अग्रिम बधाई दी। इसके बाद लाभार्थियों ने जमकर एक-दूसरे पर गुलाल-अबीर उड़ाकर अपनी-अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। आनंद व खुशनुमा पल देने के लिए सभी ने एक स्वर में डीएमए के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

स्वयं सहायता समूह की उद्यमशीलता एवं कार्यक्षमता को बढ़ावा देने की दिशा में पहल

सरकार डे-एनयूएलएम योजना के माध्यम से शहरी गरीब महिलाओं को पर्याप्त कौशल और अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है। समूह की महिलाओं को अलग-अलग तरह के प्रशिक्षण देकर बेहतर उत्पाद तैयार कराएं जा रहें हैं और इन उत्पादों की मार्केटिंग के लिए बाजार भी उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे की महिलाओं की आय में उत्तरोत्तर वृद्धि की जा सकें।

दिनांक 23.03.2022 को आवासन व शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA), भारत सरकार के अवर सचिव श्री मधुकर पाण्डेय की अध्यक्षता में सोनचिरैया ब्रांड के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों के खरीद-बिक्री, उत्पादन एवं विज्ञापन संबंधी रणनीतियों के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ''ओरियेन्टेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम'' का आयोजन किया गया। जिसमें सीएलएफ, एएलएफ एवं राज्यभर के विभिन्न नगर निकायों की स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने भाग लिया। इस बैठक में मुख्य रूप से डे-एनयूएलएम के लाभ, एसएचजी को सफलता के मंत्र, सफल उद्यमी के गुण, विपणन, ऑनलाइन बिक्री प्रक्रिया, वित्तीय प्रबंधन, क्रय-विक्रय की रणनीति, सिटी लाइवलीहुड सेंटर के लाभ संबंधी विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

क्रय-विक्रय में तेजी के लिए विज्ञापन सम्बन्धी रणनीतियों पर जोर : प्रशिक्षण कार्यक्रम में समूह के सदस्यों को बताया गया की डे-एनयूएलएम योजना अंतर्गत सोनचिरैया ब्रांड के तहत स्वयं सहायता समूह से जुड़ी दीदियों द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों के खरीद-बिक्री, उत्पादन एवं सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों के माध्यम से विज्ञापन रणनीतियां बनाकर बाजार में एक विशिष्ट पहचान बनाने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। इनमें से कई एसएचजी आजीविका वाली गतिविधियों जैसे हस्तशिल्प, कपड़े, खिलौने, खाने के सामान आदि के उत्पादन में लगे हुए हैं। सभी लोगों को आपस में एक दूसरे से समन्वय स्थापित करते हुए उत्पादों के निर्माण में आ रहीं कठिनाइयों व अनुभवों को ज्यादा से ज्यादा साझा कर रचनात्मक व संगठनात्मक हल निकालने की आवश्यकता है। साथ ही स्वनिर्मित उत्पादों को सरकार के द्वारा रजिस्टर्ड मार्केटिंग चैनलों जैसेः- अमेज़न, फ्लिपकार्ट पर अपलोड करते समय सोनचिरैया ब्रांड का लोगो एवं स्वयं सहायता समूह का नाम जरूर अंकित करें। यह कदम स्वयं सहायता समूह से जुड़ी दीदियों को विश्वपटल पर अनूठी पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध होगी।

डे-एनयूएलएम के माध्यम से जुड़ी दीदियाँ सोनचिरैया ब्रांड के तहत स्वनिर्मित उत्पादों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बाजार में बिक्री कर रहीं हैं। इससे उन्हें स्वरोजगार के साथ-साथ आय में अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। जो महिलाओं को सशक्त व समृद्ध बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है। खुद का व उनके परिवार के जीवन स्तर में बड़ा परिवर्तन देखने को मिल रहा है। इससे वे बदलते भारत की तस्वीर पेश कर रही हैं।

''महिलाओं में उद्यमशीलता का दायरा बढ़ाने के लिए, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में अधिक भागीदारी के लिए, सरकार लगातार कदम उठा रही है। आज महिलाओं के लिए स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से विविध क्षेत्र में नए अवसर एवं असीम संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं।''

-श्री मधुकर पाण्डेय, अवर सचिव, MoHUA

एसएचजी के लिए सफलता के पंचसूत्र

अवर सचिव महोदय ने एसएचजी के लिए सफलता के पाँच सूत्रों पर चर्चा करते हुए कहा कि स्वयं सहायता से जुड़ी दीदियाँ नियमित बैठक कर योजनाओं के बारें में अपने अनुभवों व रणनीतियों को एक दूसरे से साझा करें। नियमित बचत, नियमित आंतरिक उधार, नियमित वापसी एवं नियमित बुक किपिंग से संबन्धित विषय वस्तुओं को गंभीरता से अपनाने की जरूरत है। एक सफल उद्यमी बनने के लिए उत्पाद की पहचान करना, वित्त पोषण और वित्तीय प्रबंधन, ब्रांडिंग और पैकेजिंग जैसे विशेषताओं का मूल्यांकन अति आवश्यक है।

» **MoHUA द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड की दीदियों ने भी उठाया लाभ**

रांची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत गठित SHG की महिलाएं निगम कार्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ उठाते हुए।

MoHUA के अवर सचिव श्री मधुकर पाण्डेय ने झारखंड की दीदियों द्वारा निर्मित उत्पादों की जमकर की प्रशंसा

इस दौरान उन्होंने झारखंड राज्य के विभिन्न नगर निकायों के अंतर्गत सोनचिरैया ब्रांड के तहत स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों जैसे गुजिया/पेडुकिया,परिधान, धूपबती, निमकी की जमकर प्रशंसा की और अन्य स्वयं सहायता समूहों को इस उत्पाद की पैकेजिंग ब्रांडिंग, ऑनलाइन बिक्री की प्रक्रिया तथा विपणन रणनीतियों को अपनाने की बात कहीं। साथ ही कहा कि बेहतर उत्पादन के लिए प्रतिस्पर्धियों की सर्वोतम प्रथाओं तथा ग्राहकों की प्रतिक्रिया के साथ उत्पाद में सुधार करने की जरूरत है। इससे भविष्य में दीदियों के जीवन में और भी सामाजिक, आर्थिक एवं व्यक्तिगत परिवर्तन देखने को मिलेंगे।

लाभार्थियों से रूबरू

पीएमएवाई (यू) से लाभार्थियों को मिला पक्का मकान, बढ़ा आत्मसम्मान

सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक-4 ''लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण (BLC)'' के लाभार्थियों के साथ आवास निर्माण एवं नए आवास मिलने के बाद जीवन में आए परिवर्तन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक बातचीत कर उनके जीवन में आये बदलावों को जानने का प्रयास कर रही है, ताकि उन्हें सामाजिक, आर्थिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ कर सशक्त व समृद्ध बनाया जा सके। इसी कड़ी में दिनांक 25.03.2022 को डीएमए के निदेशक श्री राजेश कुमार पाठक, (भा0प्र0से0) की अध्यक्षता में ''लाभार्थियों से रूबरू'' कार्यक्रम का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया।

डीएमए के निदेशक महोदय ने पीएमएवाई (यू) लाभार्थियों के साथ वर्चुअल माध्यम से बातचीत कर जाना हाल

लाभार्थियों से रूबरू कार्यक्रम के प्रारंभ में डीएमए के सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी ने सभी लाभार्थियों को रूबरू कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया। इस कार्यक्रम में राज्य के पांच नगर निकायों से योजना के ''लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण (BLC)'' घटक अंतर्गत चयनित पांच लाभार्थियों के साथ आवास निर्माण एवं नए आवास मिलने के बाद जीवन में आए परिवर्तन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक बातचीत कर उनके जीवन में आये बदलावों को जानने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में राज्य के 5 विभिन्न नगर-निकायों यथाः- गुमला नगर परिषद से आरिफ़ हुसैन, चास नगर निगम से नीलम साहू, नगर ऊंटारी से सरिता कुमारी, मानगो नगर निगम से बीरसिंह लमय तथा सिमडेगा नगर परिषद से मैग्रिटा टोप्पो का चयन किया गया था। कार्यक्रम के दौरान निदेशक महोदय के साथ चयनित लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के सफल कार्यान्वयन व अनुभवों को साझा किया।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के राज्य स्तरीय टीम लीडर श्री राजन कुमार, IEC विशेषज्ञ श्री मुकेश कुमार झा एवं संबन्धित नगर निकाय के पदाधिकारीगण, नगर प्रबंधक एवं CLTC विशेषज्ञ आदि सम्मिलित हुए। डीएमए के निदेशक महोदय ने योजना के लाभार्थियों से नए मकान के निर्माण के कार्य प्रगति संबंधी विस्तारपूर्वक चर्चा कर पूरी जानकारी ली। साथ ही निर्माण कार्य पूर्ण करने में उनके सामने आने वाली चुनौतियों को भी ध्यान से सुना। रूबरू कार्यक्रम के दौरान निदेशक महोदय ने लाभार्थियों के परिवारों से परिचय प्राप्त कर उनके आजीविका संबंधी बातों की भी जानकारी ली। इसके उपरांत चयनित लाभुकों के नव-निर्मित आवास का वर्चुअल माध्यम से पूर्ण जायजा लिया। लाभुकों के स्वच्छ व सुंदर घर को देखकर उन्होंने काफी प्रसन्नता व्यक्त की। इसके लिए लाभुक एवं नगर निकाय के सभी पदाधिकारीगण को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

'लाभार्थियों से रूबरू' कार्यक्रम में लाभार्थियों से बात करते डीएमए के निदेशक श्री राजेश कुमार पाठक।

» **सामाजिक, आर्थिक व व्यक्तिगत बदलाव से संबन्धित विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली गयी।**

घर पाकर बढ़ा समाज में मान-सम्मान

लाभार्थियों ने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि आवास निर्माण से पूर्व कच्चा मकान में रहने के दौरान बच्चों को लालन-पालन करने में काफी दिक्कतें आ रही थी। जीवन अंधकारमय हो गया था। कच्चे मकान की दीवार गिरने की आशंका हमेशा बनी रहती थी। साथ ही सगे-संबंधियों व समाज में मान-सम्मान घट गया था। लेकिन, जैसे ही आवास बनकर तैयार हुआ अचानक से सामाजिक, आर्थिक व मानसिक रूप से सुदृढ़ता मिलने लगी। अचानक सब कुछ पाकर एक सपने जैसा लग रहा है। सगे-संबंधियों के साथ-साथ समाज में उनका मान-सम्मान में भी उत्तरोतर वृद्धि हुई है। अब जीवन खुशियों से भर गया है।

निदेशक महोदय ने अन्य योजनाओं से भी जुड़ने के लिए किया प्रेरित

निदेशक महोदय ने आवास निर्माण संबंधी योजनाओं की कार्य प्रगति व लाभार्थियों के परिजनों से रूबरू होकर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सरकर पात्र लाभुकों को आवास के साथ-साथ सभी बुनियादी सुविधाओं से लैस करने को लेकर कटिबद्ध है। इसके साथ ही आप सभी लोगों को सरकार द्वारा संचालित अन्य योजनाओं से जोड़ा जाएगा। ताकि, आपलोग सामाजिक, आर्थिक व व्यक्तिगत रूप से सुदृढ़ एवं सम्पन्न बन सकें। अंत में निदेशक महोदय ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आवास निर्माण कार्य में सहयोग के लिए नगर निकाय के सभी पदाधिकारियों/ कर्मियों एवं लाभुकों की शत-प्रतिशत भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया। साथ हीं उक्त योजना का लाभ अन्य जरूरतमंद लोगों को मिल सके। इसके लिए प्रेरित करने पर भी ज़ोर देने की बात कहीं।

सिमडेगा नगर परिषद

चास नगर निगम

सोच बदलकर दिखाया जज्बा, जीवन में खुशियों ने दी दस्तक

आम, कटहल, आंवला और लाल कश्मीरी मिर्च का अचार का व्यवसाय शुरू कर ब्रांडेड कंपनियों को दे रहीं मात

» वर्तमान में वैजयंती की आमदनी 4-5 लाख रुपये सालाना है।

आचार बनाती वैजयंती देवी।

जब हौसला बना लिया ऊंची उड़ान का, फिर देखना फिजूल है कद आसमान का। उक्त उक्ति को चरितार्थ कर दिखाया है लातेहार नगर पंचायत की वैजयंती देवी ने। आज वह इस मुकाम पर पहुंची हैं, जिसके चलते आज वह दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हैं। इनकी कहानी उन तमाम सफलतम महिलाओं की कहानियों में से एक हैं। जो विषम परिस्थितियों से लड़कर समाज में खुद को स्थापित की हैं और समाज को एक नई दिशा दे रहीं हैं। कभी घर की दहलीज़ को पार करने के नाम से घबराने वाली वैजयंती के बनाए अचार आज न सिर्फ लातेहार में, बल्कि झारखंड राज्य के दूसरे जिले की फिज़ा में भी खुशबू फैला रही है। वह मधुपालन के क्षेत्र में भी निरंतर कार्य कर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहीं हैं।

आम, कटहल, आंवला, बसकरईल, लाल कश्मीरी मिर्च, हरा मिर्च, लहसुन, करौंधा के साथ-साथ पारम्परिक झारखंडी आचार जैसे महुआ तथा बेर का अचार का निर्माण कर लोगों को आकर्षित कर रहीं हैं। 10 किलोग्राम से शुरू हुआ अचार का उत्पादन कार्य आज 15 क्विंटल तक पहुँच गया है। जिससे उनका सालाना व्यक्तिगत आय 4-5 लाख रुपया हो गया है।

बैजयंती कहती हैं कि बगैर कड़ी मेहनत के तकदीर नहीं बदलती। जब मैंने कारोबार शुरू किया तो कई लोगों ने कहा कि क्या आपका अचार ब्रांडेड कंपनियों के आगे टिक पाएगा। मधुपालन का कारोबार शुरू करने पर यही सुनने को मिला। लेकिन, जब मैं स्व-निर्मित अचार को बेचने के लिए बाजार में उतरी, तो लोगों ने उसे पसंद करना शुरू कर दिया। जैसे-जैसे मांग बढ़ती गई, वैसे-वैसे मेरा कारोबार भी बढ़ता गया। आज लोग इनके हाथ से बनाए अचार चटखारे लेकर खा रहें हैं।

दो दर्जन से अधिक महिलाओं को दे रहीं रोजगार

वैजयंती देवी आगे कहती हैं कि शहरी क्षेत्र की महिलाएं, जो उद्यम क्षेत्र में अपने आप को सशक्त व समृद्ध बनाने के लिए संघर्ष कर रहीं हैं। उनके लिए दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन कारगर है। इससे लाखों लोगों की सूरत और सीरत बदल रहा है। इसके लिए इन्होंने सबसे पहले स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से जुड़ीं। उसके बाद 10,000/- रुपये का ऋण लिया। जैसे-जैसे कारोबार आगे बढ़ता गया, पिछला ऋण चुकाते चली गई। व्यापार को और बड़ा करने के लिए और ज्यादा ऋण लेने लगी। इस दौरान इन्होंने स्वयं सहायता समूह की दीदियों से अचार बनाने का गुर सीखी। जबकि, उद्योग विभाग द्वारा आयोजित मधुपालन का प्रशिक्षण प्राप्त की। आज के समय में वह 4-5 लाख रुपये सालाना कमा रहीं हैं। इनके द्वारा दो दर्जन से अधिक महिलाओं को रोजगार दिया गया है। जिससे उनलोगों के परिवार का गुजारा हो रहा है। वैजयंती बताती है कि महिलाएं अचार बनाने और मधुपालन में इनका हाथ बटाती हैं। जिसके चलते बाजार में मांग के अनुरूप अचार और मधु का उत्पादन हो रहा है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2022

कूड़ा-करकट को हटाकर हरियाली में किया गया तब्दील

स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 की दौड़ में चकुलिया नगर पंचायत कर रही विशेष तैयारी

चाकुलिया नगर पंचायत ने स्वच्छता के प्रति अपनी कटिबद्धता को दुहराने एवं 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2022' में बेहतर प्रदर्शन हेतु जोर-शोर से तैयारी कर रही है। इसी के क्रम में सबसे पहले शहर के बीचों बीच स्थित ब्लॉक रोड में कचरे के ढ़ेर को सुधारते हुए उसे पार्क के रूप में तब्दील कर दिया गया है।

पहले की तस्वीर

एक ओर जहाँ क्षेत्र के लोगों को गंदगी एंव दुर्गंध से मुक्ति मिली, वहीं क्षेत्र एक रमणिक स्थल के रूप में परिवर्तित हो गया है। महत्वपूर्ण बात ये भी है कि ऐसा करने से आस-पास के लोगों के व्यवहार मे भी परिर्वतन देखा गया है। अब लोग वहाँ कूड़ा फेंकने के बजाय डोर-टू-डोर कचड़ा संग्रहण हेतु चलाई जा रही गाड़ियों में ही कूड़ा डाल रहें है। सप्ताह भर पहले जिस जगह पर कूड़े का ढ़ेर लगा हुआ था, जहां बजबजाते गंदगी में जानवर घूमते नजर आते थे। वहाँ अब साफ-सफाई और हरियाली दिखाई पड़ रही है। हम बात कर रहें हैं रेलवे क्रॉसिंग से प्रखण्ड कार्यालय जाने वाली सड़क की।

सौंदर्यीकरण के बाद की तस्वीर

सड़क के घुमावदार मोड़ पर हिंदुस्तान राइस मिल के गेट के पास कोने वाली जगह पर कचरे का ढ़ेर बना हुआ था तथा वह क्षेत्र गंदगी से बजबजा रहा था। उसे महज एक सप्ताह के भीतर साफ-सुथरा कर हरियाली में तब्दील कर दिया गया है। उसके बाद पूरे इलाके को हरे रंग की जाली से घेर दिया। जाली के भीतर कई प्रकार के फूल एवं सजावटी पौधे लगाए जा रहें हैं। इतना ही नहीं इसमें पुराने टायर ट्यूब जैसे कचरा समझे जाने वाले वस्तुओं को सजावट के लिए उपयोग किया जा रहा है। शहर के बीचोंबीच स्थित यह जगह कूड़ा करकट के कारण काफी खराब दिख रहा था। यहाँ बना शौचालय भी बेकार पड़ा हुआ था। अब इस पूरे इलाके को उद्यान के तौर पर विकसित किया जाएगा। इसके भीतर रंग-बिरंगी लाइटिंग भी लगाई जाएगी।

शौचालय में पानी का अस्थाई रूप से प्रबंध किया जाएगा, ताकि लोग इसका सदुपयोग कर सकें। चकुलिया नगर पंचायत के सिटी मैनेजर के इस सकारात्मक पहल का स्थानीय लोग मुक्त कंठ से प्रशंसा कर रहें हैं।

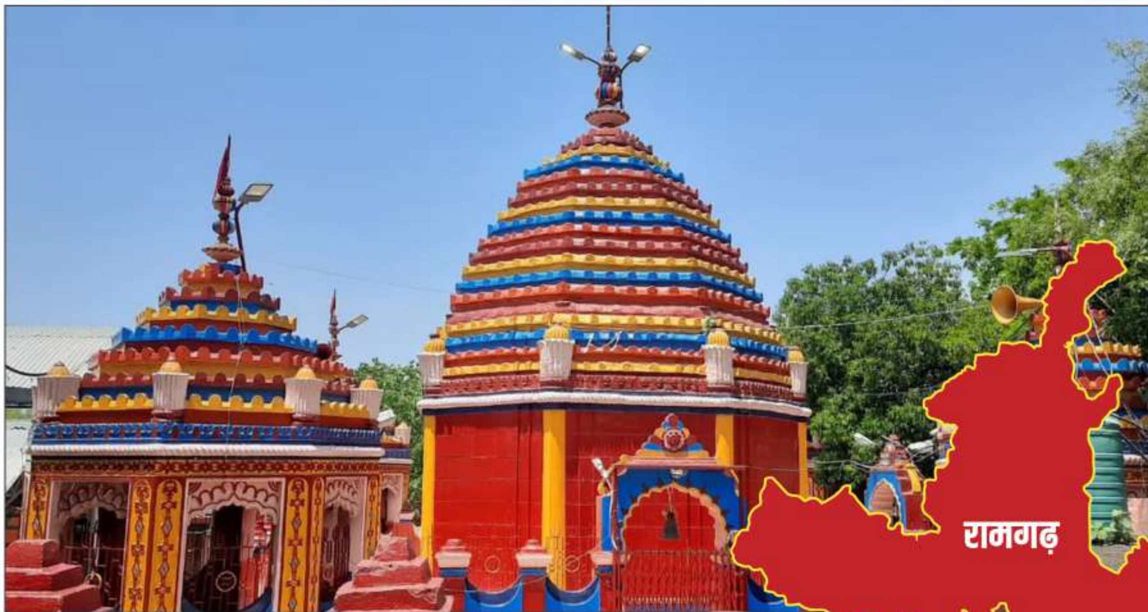

रामगढ़ नगर परिषदः एक नज़र में

कुल क्षेत्रफल	वार्डों की संख्या
29 वर्ग किलोमीटर	32

कुल जनसंख्या
9,49,443
पुरूष : 4,94,230
महिला : 4,55,213
(2011 के जनगणना द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार)

औसत साक्षरता दर
73.17%
पुरूष : 82.44%
महिला : 63.09%

अध्यक्ष: श्री युगेश बेदिया
उपाध्यक्ष: श्री मनोज महतो
कार्यपालक पदाधिकारी: श्री संजय कुमार

खनन, औद्योगिक और सांस्कृतिक केंद्र के लिए प्रसिद्ध : रामगढ़ नगर परिषद

रामगढ़ जिला झारखंड राज्य के केंद्र में अवस्थित है। वर्ष 1991 में रामगढ़ उपखंड का गठन हुआ था एवं 12 सितंबर 2007 को हजारीबाग जिले से अलग कर रामगढ़ को जिला का दर्जा दिया गया। रामगढ़ नगर परिषद की स्थापना 2016 में हुई। यह मुख्य रूप से माँ छिन्नमस्तिका मंदिर के साथ खनन, औद्योगिक और सांस्कृतिक केंद्र के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ कई प्रमुख कोयले के खदान और पर्यटक स्थल है, जिसमें प्रमुख रजरप्पा मंदिर जो कि सिद्ध पीठ छिन्नमस्तिका का मंदिर है। यहां पूरे देश से ही नहीं विदेशों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। रामगढ़ के गोद में बहने वाली दामोदर नदी और भैरव नदी का संगम स्थल रजरप्पा मंदिर के मुहाने पर है जो एक मनोरम दृश्य प्रकट करता है। इतना ही नहीं यहां प्राकृतिक सौंदर्य की छटा अंत्यन्त निराली है। कल-कारखानें भी काफी संख्या मे मौजूद हैं।

भाषा : हिंदी एवं खोरठा

प्रमुख धार्मिक व पर्यटन स्थल :

- छिन्नमस्तिके मंदिर
- टूटी झरना मंदिर
- पतरातू बांध
- बौद्ध मंदिर और चाइना पार्क
- पतरातू व रामगढ़ घाटी

योजना एक नजर में

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)-PMAY(U)

रामगढ़ नगर परिषद में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के चतुर्थ घटक के अंतर्गत वर्ष 2015 से वर्ष 2019 तक कुल 3631 आवासों की स्वीकृति दी गई, जिसमें से कुल 2255 आवास का कार्य पूर्ण किया गया। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 1189 आवासों को स्वीकृति मिली, जिसमें लाभुकों से एकरारनामा कराते हुए कार्य कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक तीन के तहत रामगढ़ नगर परिषद के कोठार में डेढ़ एकड़ जमीन चिन्हित की गई है, जिसमें जिसमें कुल 142 आवासों का निर्माण कराया जाना है।

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY)

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 1061 के लक्ष्य के विरुद्ध 1881 जॉब कार्ड निर्गत किया गया है। साथ ही 21655 मानव दिवस कार्य के लक्ष्य के विरुद्ध 26573 दिनों का कार्य आवंटन किया गया।

पीएम स्वनिधि योजना

पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 861 स्ट्रीट वेंडर्स को प्रथम किस्त की राशि उपलब्ध कराई गई है। साथ ही साथ 21 स्ट्रीट वेंडर्स को द्वितीय किश्त की राशि भी उपलब्ध कराई गई है।

दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM)

डे-एनयूएलएम योजना अंतर्गत वर्ष 2014-15 तब से अब तक कुल 542 स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया है। साथ ही 32 ALF का भी गठन किया गया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में 100 स्वयं सहायता समूह को रिवॉल्विंग फंड दिया गया एवं 96 स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया साथ ही 22 के लक्ष्य के विरुद्ध 23 स्वयं सहायता समूह ने क्रेडिट लिंकेज स्कीम के तहत लोन प्राप्त किया। SEP-I (व्यक्तिगत स्वरोजगार कार्यक्रम) के तहत वित्तीय वर्ष 2021-22 में 43 के लक्ष्य के विरुद्ध 45 लाभुकों को ऋण प्रदान किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2021- 22 मे स्व-प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से रोजगार योजना के तहत नगर परिषद के क्षेत्र अंतर्गत कुल 535 के विरुद्ध 330 प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ किया गया है

प्रधानमंत्री फूड प्रोसेसिंग योजना

प्रधानमंत्री फूड प्रोसेसिंग योजना के तहत रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 8 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जोड़ा गया एवं उनको योजना के लाभों से जोड़कर लाभान्वित किया जा रहा है।

डीएमए के तत्वावधान में रामगढ़ नगर परिषद के अधिकारियों ने लक्ष्य के अनुसार उक्त योजनाओं के सफल क्रियान्वयन एवं संचालन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। निकाय क्षेत्र के सभी अधिकारी बधाई के पात्र हैं। डीएमए रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

संरक्षक
श्री हेमंत सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री

संपादक
श्री विनय कुमार चौबे
सचिव
नगर विकास एवं आवास विभाग

कार्यकारी संपादक
श्री राजेश कुमार पाठक
निदेशक
नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग

यह बुलेटिन विभाग के कार्यों के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से प्रकाशित है।

डीएमए के नये निदेशक महोदय श्री राजेश कुमार पाठक (भा.प्र.से) ने पदभार ग्रहण किया।
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डीएमए के महिलाओं को सम्मानित कर
नारी सशक्तिकरण के संकल्प को दोहराया गया।
होली के सुअवसर पर लाभार्थियों के संग, खुशियों के रंग कार्यक्रम का आयोजन।

उक्त से संबंधित कार्यक्रमों की झलकियां

DMA

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार

Follow us on : @JharkhandDMA , Website : dmajharkhand.in
1st Floor, JUPMI Building, Beside H.E.C Headquarter, Dhurwa, Ranchi -834004, Jharkhand